

भावयामास यथाप्रधानम् ॥ KUMĀRAS. 7, 46. MĀLAV. 50, 3. MEGH. 98 (v. l. संभाव्य). RAGH. 3, 11. VID. 323. KATHĀS. 38, 113. PAÑĀT. 84, 17. 117, 11. PRAB. 26, 10. 96, 3. 104, 11. द्वारप्राप्तानतिथीन्स्वयं भिक्षादानतः संभावय Z. d. d. m. G. 14, 373, 14. संभावित R. 6, 107, 5. KATHĀS. 27, 184. 43, 272. PRAB. 72, 9. तूर्णं संभावयात्मानम् (wird einem vom sichern Tode Erretteten zugerufen) MBH. 1, 1343 (= संजीवय Schol.). निषेकादीनि कर्माणि यः करोति यथाविधे । संभावयति (= संवर्धयति KULL.) चात्रेन स विप्रो गुरुहृद्यते ॥ wer das Kind mit Speise begrüsst d. i. ihm die erste Speise reicht M. 2, 142. — 3) ehren, Jmd Ehre erzeugen MBH. 13, 2060 (= स्तुत्वा Schol.). RAGH. 13, 62. Spr. 2439. न कश्चिन्मां वृद्धमनाथं संभावयति PRAB. 89, 15. गृहाणि नाम तान्येव तयोराशर्भवादशः । संभावयति यान्येव पात्रैः पादपांसुभिः ॥ KĀVYĀD. 1, 86. पादमाक्रान्तिसंभावितपीठम् KUMĀRAS. 3, 11. RAGH. 10, 36. MĀLAV. 32. नमस्कारो ऽयं मदीयः संभाव्यताम् so v. a. gnädig aufnehmen PAÑĀT. 214, 24. संभावित geehrt, in Ehren stehend, geachtet: संभावितस्य चाकोर्तिर्मरणादतिरिच्यते BHAG. 2, 34. MBH. 5, 3926. Spr. 3139. प्रज्ञासंभावितो (lies प्राज्ञा^०) नूनमप्रज्ञैरूपसंक्षितः MBH. 13, 3895. घ्रात्म^० der sich selbst achtet BHAG. 16, 17. R. 3, 23, 13. 37, 16. KĀM. NĪTIS. 17, 33. संभावितताम्^० dass. R. 4, 34, 4. Spr. 2786. 3223. — 4) Jmd durch Etwas erfreuen, mit Etwas beschenken: तत्र संभावयामास सखीन्मार्गोन्मत्तान् स तान् । दर्शनेन यथायातो नीलकाण्ठानिवाम्बुदः ॥ KARHĀS. 10, 84. 27, 116. धनुर्जीविलोके संभावयामास गृहैः RAGH. 16, 40. ब्रह्मादिना PAÑĀT. 130, 19. ब्रह्मवर्चसेनैत्रम् — संभावितः BHAG. P. 8, 18, 18. वेलातिलः केतकरेणुभिस्ते संभावयत्याननम् RAGH. 13, 16. विलोचनं दक्षिणामञ्जनेन संभाव्य 7, 8. देयेण mit einem Makel beschenken so v. a. einen Makel anhängen KĀM. NĪTIS. 3, 43. — 5) annehmen dass Etwas sei, voraussetzen WEBER, RĀMAT. UP. 338. यदि संभाव्यते पापमपायेन किं मया MRĀKH. 134, 2. घ्रात्माभिप्रायसंभावितेष्टजनचित्तवृत्तिः ÇĀK. 21, 6. MĀLAV. 63, 6. SOM. NĀLA 134. KATHĀS. 39, 215. Verz. d. Oxf. H. 263, a, 6. 8. PAÑĀT. 246, 21. HIT. ed. JOHNS. 2738. KIR. 2, 7 (संभावित = बद्धकृत MALLIN.). DAÇĀK. 74, 13. 101, 7. DHĪRTAS. 67, 17. प्रस्य इत्युक्ते चत्वारः कुडवाः संभाव्यते GAUḌAP. zu SĀMĀHJAK. 4. MADHUS. in Ind. St. 4, 19, 23. पौत्रदौहित्रयोर्लौकिके ऋश्यांश्शेषो न संभाव्यते KULL. zu M. 9, 139. KUSUM. 16, 11. mit loc. der Person Etwas bei Jmd voraussetzen, Jmd Etwas zutrauen: सर्वं संभावयास्मिन्नसाध्यमपि साधयेत् MBH. 1, 1425. 1526. 2088. 2, 2378. 3, 2784. R. GORR. 2, 15, 28. 4, 16, 16. 42, 1. ÇĀK. 30, 7. KATHĀS. 39, 31. PRAB. 44, 14. mit gen. der Person dass.: सर्वमस्य मूर्खस्य संभाव्यते MRĀKH. 139, 6. पापं कर्म च यत्परैरापि कृतं तत्तस्य संभाव्यते Spr. 1144. MĀLAV. 21, 17. PAÑĀT. 30, 10. PRAB. 23, 19. संभावयति किं रत्नमाभ्यामभ्यधिकं मम setzest du voraus, dass ich im Besitz eines kostbareren Juwels, als diese zwei sind, sei? RĀGA-TAR. 4, 256. mit acc. des Objects und Prädicals halten für: धारां शितां रामपरश्चधस्य संभावयत्युत्पलपत्रसाराम् RAGH. 6, 42. मन्त्रित्वा हि रिपवः संभाव्यते विचक्षणैः । ये सत्तं नयन्तुत्स्य सेवने प्रतिलोमतः ॥ Spr. 2118. MĀLAV. 7, 22. SOM. NĀLA 124. 123. VID. 132. KATHĀS. 28, 6. RĀGA-TAR. 6, 119. PAÑĀT. 78, 18. P. 5, 1, 42. Sch. निःसङ्गः पुरुषः क्रियासु स कथं कर्तेति संभाव्यते PRAB. 110, 16. श्रलमस्मानन्यथा संभाव्य ÇĀK. 17, 5. चिरप्रवोधात् संभावितमस्माभिर्यद्यर्थासनमध्यासितम् so v. a. trauen wir uns nicht zu, halten wir es für uns für unmöglich ÇĀK. 81, 1. (तया) बद्धं न संभावित एव — केशपाशः so

v. a. sie dachte nicht daran das Haar aufzubinden RAGH. 7, 6. संभावयामि भुञ्जीत (भोद्यते, यद्भुञ्जीत) भवान् ich setze voraus, dass P. 3, 3, 155. Sch. न संभावयामि भवान्हरिं निन्देत् (निन्दिष्यति), न संभावयामि को हरिं निन्देत् (निन्दिष्यति) 145. Sch. न संभावयामि तत्र भवान्किं किल वृषलं याज्ञयिष्यति 146. Sch. mit ज्ञातु und यद् 147. mit यच्च und यत्र 148. mit यदा und यदि 147. VĀRT. संभाविततरं zu dem oder wozu man mehr Zutrauen hat: शक्ति R. 6, 80, 23. — संभावित mit श्रेणि u. s. w. zusammengesetzt gaṇa कृतादि zu P. 2, 1, 59. Unklar ist uns die Bed. von असंभाव्य KATHĀS. 40, 72. — Vgl. संभावन u. s. w. — desid. etwa vorwärts zu kommen wünschen: संभूपन् ÇĀKH. Ç. 4, 13, 7. मध्याध्यतस्य जगतस्तस्युषश्च संभूपतो (sic.) कुभूपतो ohne सम् ed. Bomb.) प्रभवश्चाव्ययश्च (lies: प्रभवश्चाव्ययश्च; derselbe Fehler 2, 1214 und 12, 9211, wo aber die ed. Bomb. die richtige Lesart hat) MBu. 13, 7400.

— अनुसम् nach Jmd zu Stande kommen, — gedeihen ÇAT. Bu. 12, 9, 4, 17.

— अभिसम् Etwas erreichen, in den Besitz von Etwas gelangen, eingehen in, theilhaft werden: पत्पुर्जनितमभि सं क्रभू R. V. 10, 18, 8. तं लोकं यामिन्यभिसंक्रभू AV. 3, 28, 5. 5, 28, 8. TS. 2, 2, 4, 6. 4, 12, 2. 6, 3, 5, 4. ÇAT. Bu. 1, 6, 2, 8. रेतः सिक्तं प्राणमभिसंभवति wird zu Leben 7, 3, 1, 45. 8, 6, 2, 8. एतमात्मानं प्रत्याभिसंभवियामि 10, 6, 2, 2. अमृतत्वमभिसंभवति 4, 3, 10. अर्चिः 14, 9, 1, 18. fg. KHĀND. UP. 3, 14, 4. 4, 13, 5. 8, 13, 1. KAUSH. UP. 2, 14. TAITT. Bu. 3, 1, 1, 6 in Z. f. d. K. d. M. 7, 267. NIR. 14, 8. 9. — caus. Jmd begrüßen BUĀG. P. 3, 20, 33.

— परिसम् entstehen, entspringen: अस्मत्पुत्राः परि ये संभवूवः AV. 12, 3, 40. 13, 1, 18.

— प्रतिसम् sich hingeben, pflegen; mit dem acc.: ततो वलानां अमकृशितानां मनो ऽवहारं प्रति संभवूव MBu. 6, 4885.

2. भू (= 1. भू 1) adj. am Ende eines comp. Decl. P. 6, 4, 85. fg. Vop. 3, 50. werdend, entstehend, entstanden, seiend H. 6. सर्वभूतात्मभू die Seele aller Geschöpfe seiend MBu. 12, 7112. अग्नि^०, इन्द्र^० Nn. prr. Ind. St. 4, 374. Vgl. अग्नि^०, अग्नि^०, अग्निपा^०, अग्निपाठ^०, गाधि^०, गिरि^०, चित्त^०, देव^०, नग^०, नाभि^०, नील^० (wohl aus dem Gebirge Nīla entspringend), पद्म^०, पुनर्^०, पुरु^०, पुरो^०, भरणी^०, मनो^०, मुद्गर्भ^०, विष्ठा^०, शं^०, सचा^०, सु^०, स्वयं^०. Selbständig als Beiw. Vishṇu's (= सत्तात्रय Schol.) MBu. 12, 1509. — 2) f. a) das Werden, Entstehen P. 1, 4, 31. = भवन, उत्पत्ति Sch. — b) Weltraum: भूर्भुव उक्तान्यदेो भुव आशां अजायत R. V. 10, 72, 4. pl. Welträume, Wellen: भुवो विवस्वानन्वाततान AV. 18, 2, 32. स विष्वा भुव आभवः R. V. 10, 133, 5. अय्य श्रेष्ठा भुवः 1, 86, 5. — c) die Erde AK. 2, 1, 2. TRIG. 2, 1, 1. 3, 3, 289. H. 933. an. 1, 9. HALĀ. 2, 1. 3, 83. SCR-JAS. 3, 9. 4, 4. भूरियम् R. 1, 6, 19. भूतये भुवः ÇĀK. 79. MEGH. 18. 47. im Gegensatz zum Himmel und Luftraum RAGH. 3, 1. Spr. 4674. सतागरा RAGH. 18, 3. भुवो भर्ता so v. a. König 1, 74. धर्मात्पैत्रवने राजा चिराय वृभुजे भुवम् Spr. 4233. भुवि auf Erden M. 7, 6. 8, 131. 381. HIP. 2, 18. N. 1, 14. 10, 25. DAÇ. 2, 62. Spr. 737. MEGH. 46. ०काण्ड Verz. d. Oxf. H. 192, a, 36. Erde so v. a. Erdboden M. 2, 216. 3, 92. 214. 244. 5, 133. SUND. 2, 24. DAÇ. 1, 32. RAGH. 1, 84. 12, 5. 91. Spr. 2034. उपानडूष्वाद्यस्य ननु चर्मावृतेव भूः 3206. AK. 1, 2, 4, 2. HALĀ. 2, 3. VET. in LA. (II) 23, 14. pl. Spr. 2044. वाञ्छि^० Terrain für Pferde KĀM. NĪTIS. 19, 10. Fußboden: मणियमभुवः MEGH. 63. Land, Ländereien: अकाल इवाप्तवीजा भूः ÇĀK.